# COOCH BEHAR PANCHANAN BARMA UNIVERSITY

**4 YEAR UNDER GRADUATE PROGRAMME UNDER THE NATIONAL CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2023**

# B.A. IN HINDI
# FOUR YEAR DEGREE COURSE

W.E.F. 2023

COOCH BEHAR PANCHANAN BARMA UNIVERSITY
DEPARTMENT OF HINDI
COOCH BEHAR: PIN-746101: WEST BENGAL

## B.A IN HINDI: 4 YEARS NCCF

### 1ST YEAR FIRST SEMESTER

| COURSE CODE | PAPER CODE | COURSE TITLE | LTP | MARKS | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | ESE | CE | A | TOTAL | CREDIT |
| MAJOR-1 | HIN-MJ1 | हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि काल से रीतिकाल तक) | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MINOR-1 | ENG-MIN1 | ENGLISH | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MDC-1 | SAN-MDC1 | देवनागरी लिपि और हिन्दी व्याकरण | 2-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 03 |
| AEC-1 | HIN-AEC1 | आधुनिक हिंदी भाषा | 2-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 04 |
| SEC-1 | SEC-BCO1 | BASIC COMPUTER | 2-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 03 |

### 1ST YEAR SECOND SEMESTER

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| MAJOR-2 | HIN-MJ2 | हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल) | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MINOR-2 | ENG-MIN2 | ENGLISH | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| VAC-1 | ENV-VAC1 | ENVIRONMENTAL STUDIES | 3-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 03 |
| SEC-2 | SEC-BCO2 | BASIC COMPUTER | 3-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 03 |
| Internship | | INTERNSHIP | 3-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 04 |

### 2ND YEAR THIRD SEMESTER

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| MAJOR-3 | HIN-MJ3 | भारतीय काव्यशास्त्र | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-4 | HIN-MJ4 | आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MINOR-3 | HIS-MIN1 | HISTORY | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| SEC-3 | SEC-BCO3 | BASIC COMPUTER | 2-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 03 |
| MDC-2 | SAN-MDC2 | कार्यालयी हिन्दी | 2-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 03 |

## 2ND YEAR FOURTH SEMESTER

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| MAJOR-5 | HIN-MJ5 | पाश्चात्य काव्यशास्त्र | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-6 | HIN-MJ6 | छायावादोत्तर हिंदी कविता | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MINOR-4 | HIS-MIN2 | HISTORY | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| AECC-2 | ENG-AEC2 | BASIC IN ENGLISH | 3-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 04 |

## 3RD YEAR FIFTH SEMESTER

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| MAJOR-7 | HIN-MJ7 | भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-8 | HIN-MJ8 | हिंदी कहानी | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-9 | HIN-MJ9 | हिंदी नाटक एवं एकांकी | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MDC-3 | SAN-MDC3 | हिन्दी कथा साहित्य | 2-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 03 |

## 3RD YEAR SIX SEMESTER

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| MAJOR-10 | HIN-MJ10 | हिंदी उपन्यास | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-11 | HIN-MJ11 | प्रयोजनमूलक हिंदी | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-12 | HIN-MJ12 | हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं | 5-1-0 | 75 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| VAC-2 | CHW-VAC1 | CONSTITUTION OF INDIA AND HEALTH & WELLNESS | 2-1-0 | 35 | 10 | 5 | 50 | 03 |

## 4TH YEAR SEVEN SEMESTER (HONS. & HONS. WITH RESEARCH)

| PAPER | CODE | PAPER NAME | CR. DIV. | THEORY | | INTR MARKS | CE | TOTAL | CREDIT |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| MAJOR-13* | HIN-MJ13 | शोध प्रविधि और शोध नैतिकता | 5-1-0 | 75 | | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-14* (वैकल्पिक) | HIN-MJ14 | क) समकालीन हिंदी कविता<br>ख) समकालीन हिंदी कथा साहित्य<br>ग) साहित्य और सिनेमा | 5-1-0 | 75 | | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-15* | HIN-MJ15 | सेमिनार (SEMINAR) | 4-2-0 | THEORY (4 Credits)<br>50 | SEMINAR (2 Credits)<br>25 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-16 | HIN-MJ16 | DISSERTATION PAPER (HONS. WITH RESEARCH) | 5-1-0 | DISSERTATION<br>50 | PRESENTION/ VIVA<br>25 | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-16 | HIN-MJ16 | हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास (FOR HONOURS) | 5-1-0 | 75 | | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MINOR-5 | ENG-MIN5 | ENGLISH | 5-1-0 | 75 | | 20 | 5 | 100 | 06 |

## 4TH YEAR EIGHT SEMESTER (HONS. & HONS. WITH RESEARCH)

| PAPER | CODE | PAPER NAME | CR. DIV. | THEORY | | INTR MARKS | CE | TOTAL | CREDIT |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| MAJOR-17* | HIN-MJ17 | हिंदी आलोचना | 5-1-0 | 75 | | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-18* (वैकल्पिक) | HIN-MJ18 | क) अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य<br>ख) आधुनिक भारतीय साहित्य<br>ग) विश्व साहित्य | 5-1-0 | 75 | | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MAJOR-19 | HIN-MJ19 | DISSERTATION PAPER (HONS. WITH RESEARCH) | 5-1-0 | DISSERTATION<br>50 | PRESENTION/ VIVA<br>25 | 20 | 5 | 100 | 06 |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| MAJOR-19 | HIN-MJ19 | पत्रकारिता (FOR HONOURS) | 5-1-0 | 75 | | 20 | 5 | 100 | 06 |
| MINOR-6 | HIS-MIN6 | HISTORY | 5-1-0 | 75 | | 20 | 5 | 100 | 06 |

*Papers are common for Honours and Honours with Research Program in 7th Semester --- Major- 13, Major-14, Major-15 are common papers for Honours and Honours with Research Program

In 8th Semester --- Major 17, Major 18 are common papers for Honours and Honours with Research program.

**(ESE- End of Semester Examination, CE- Continuous Evaluation, Learning theoretical Practical)**

## <u>प्रथम वर्ष, सेमेस्टर - 1</u>
## MAJOR-1
## HIN-MJ1
## हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि काल से रीतिकाल तक)

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)** स्नातक प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास(आदिकाल से रीतिकाल तक) से सम्यक रूप से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के काल-विभाजन और नामकरण के बारे में विस्तार से परिचित होंगे। उसके बाद आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की पृष्ठभूमि, विशेषताओं और प्रमुख कवियों के बारे में अध्ययन करेंगे।

### इकाई -1 : आदिकाल

कालविभाजन और नामकरण
आदिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ
सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य एवं जैन साहित्य
रासो काव्य, अपभ्रंश मुक्तक काव्य
आदिकालीन काव्य भाषा
आदिकालीन प्रमुख कवियों का परिचय – विद्यापति, अमीर खुसरो, चंदबरदाई, जगनिक, शारंगधर और नरपति नाल्ह

### इकाई- 2 : भक्तिकाल

भक्तिआन्दोलन के उदय के कारण
भक्तिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप
निर्गुण काव्यधारा (संत काव्य और सूफी काव्य)
सगुण काव्यधारा (रामाश्रयी और कृष्णाश्रयी काव्य)
भक्तिकालीन काव्यभाषा का स्वरूप और वैविध्य
भक्तिकालीन प्रमुख कवि – कबीर, रैदास, जायसी, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, रहीम और रसखान

### इकाई- 3 : रीतिकाल

रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य)
रीतिकालीन काव्य भाषा
रीतिकालीन प्रमुख कवि – चिन्तामणि, केशवदास, बिहारी, देव, मतिराम, भूषण,पद्माकर और घनानन्द

**सहायक ग्रंथ सूची**


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान दिल्ली
2. आदिकालीन तथा मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ, हेमंत कुकरेती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का अतीत, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपा. डॉ. नगेन्द्र , के एल मल्लिक एंड संस, दिल्ली
9. साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
10. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, संपा. गोपेश्वर सिंह
11. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध, मुकेश गर्ग, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
13. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, डॉ.विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट, ब्लैकस्वान, दिल्ली
14. भक्ति के तीन स्वर, जॉन स्ट्रेटन हॉली, (अनु.) अशोक कुमार, राजकमल प्रकाशन
15. रीतिकाव्य, नंदकिशोर नवल,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. निर्गुण संतों का स्वप्न, डेविड लारिंजन,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
17. मध्यकालीन काव्यभाषा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. मध्यकालीन बोध का स्वरूप, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

**प्रथम वर्ष, सेमेस्टर - 1**
**MDC-1**
**PAPER CODE-HIN-MDC-1**
**देवनागरी लिपि और हिन्दी व्याकरण**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective Of Syllabus)** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और देवनागरी लिपि का मानकीकरण से विद्यार्थियों को परिचित करना है। साथ ही हिन्दी व्याकरण से संबंधित प्राथमिक पाठों जैसे संज्ञा की परिभाषा, भेद, सर्वनाम की परिभाषा एवं भेद, विशेषण की परिभाषा एवं भेद, संधि की परिभाषा एवं भेद, समास की परिभाषा एवं भेद और उपसर्ग और प्रत्यय से विद्यार्थियों को परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का ध्येय है।

**इकाई-1 :**

देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय
देवनागरी लिपि की विशेषताएं
देवनागरी लिपि का मानकीकरण

**इकाई-2 :**

संज्ञा- परिभाषा एवं भेद
सर्वनाम- परिभाषा एवं भेद
विशेषण- परिभाषा एवं भेद
क्रिया- परिभाषा एवं भेद

**इकाई-3 :**

संधि- परिभाषा एवं भेद
समास- परिभाषा एवं भेद
उपसर्ग
प्रत्यय

**सहायक ग्रंथ सूची**


1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पब्लिशर्स, पटना
2. हिन्दी शब्द अर्थ प्रयोग- डॉ.  हरदेव बाहरी,अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
4. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, नामदेव उतकर, चंदरलोक प्रकाशन, जयपुर
5. हिन्दी व्याकरणमाला, के. आर. महिया और विमलेश शर्मा, ज्ञान वितान प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी व्याकरण प्रश्नमाला,के. आर. महिया और राजेन्द्र नेवड़, ज्ञान वितान प्रकाशन, दिल्ली
7. सामान्य हिन्दी व्याकरण और रचना, केदारनाथ विद्यापब्लिकेशन

**<u>प्रथम वर्ष, सेमेस्टर - 1</u>**
**<u>AEC-1</u>**
**<u>PAPER CODE-HIN-AEC-1</u>**
**आधुनिक हिन्दी भाषा**

**पाठ्यक्रम का उद्देशय(Objective Of Syllabus)** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी व्याकरण और रचना से संबंधित प्राथमिक पाठों जैसे संज्ञा का सामान्य परिचय एवं भेद, सर्वनाम का सामान्य परिचय एवं भेद, विशेषण का सामान्य परिचय एवं भेद, कारक का सामान्य परिचय एवं भेद, संक्षेपण तथा पल्लवन, कार्यालयी तथा व्यावहारिक पत्र लेखन से विद्यार्थियों को परिचित करानाहै। इसके साथ-साथ हिन्दी पद्य और गद्य साहित्य के चुनिंदा रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन कराना इस पत्र का ध्येय है।

**इकाई 1: हिन्दी व्याकरण और रचना**

संज्ञा का सामान्य परिचय एवं भेद
सर्वनाम का सामान्य परिचय एवं भेद
विशेषण का का सामान्य परिचय एवं भेद
कारक का सामान्य परिचय एवं भेद
संक्षेपण, पल्लवन
पत्राचार-कार्यालयी, व्यावहारिक तथा व्यावसायिक पत्र

**इकाई 2**: **हिन्दी पद्य**

कबीरदास : सामान्य परिचय, दोहे – यह तन विष की बेलरी, पाथर पुजै हरि मिले, माटी कहै कुम्हार से,कबीरा यह घर प्रेम का
तुलसीदास : सामान्य परिचय, दोहावली – तुलसी मीठे वचन ते, दया धरम का मूल है, तुलसी भरोसे रामके, दुर्जन दर्पण सम सदा
रहीम : सामान्य परिचय, दोहे – रहिमन पानी राखिए, जो रहीम ओछो बढै, पावस देखि रहीम मन, बड़ा हुआ तो क्या हुआ, रहिमन देख बड़ेन को
बिहारी : सामान्य परिचय, दोहे – पत्रा ही तिथि पाइये, जप माला छापा तिलक, सोहत ओढ़े पीतु पटु, द्दग ऊरझत टुटत कुटुम्ब
जयशंकर प्रसाद : सामान्य परिचय - ले चल मुझे भुलावा देकर,भारत महिमा
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : सामान्य परिचय - भिक्षुक, जूही की कली
नागार्जुन : सामान्य परिचय - अकाल और उसके बाद,बहुत दिनों के बाद
रामधारी सिंह दिनकर : सामान्य परिचय - दिल्ली, विपथगा

**इकाई-3: हिन्दी गद्य साहित्य**

प्रेमचंद – ठाकुर का कुआँ

महादेवी वर्मा – गिल्लू
फणीश्वरनाथ रेणु – पंचलाइट
हरिशंकर परसाई – इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर

## सहायक ग्रंथ सूची


1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद
2. कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी, काशी
3. दोहावली, तुलसीदास, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रहीम ग्रंथावली, संपा. सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती भारती प्रकाशन, नई दिल्ली
5. बिहारी सतसई, संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर, मालिक कंपनी, नई दिल्ली
6. प्रतिनिधि कविताएँ, जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. राग -विराग, संपा.रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. मानसरोवर, प्रेमचंद, सुमित्र प्रकाशन, नई दिल्ली
10. मेरा परिवार, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
11. ठुमरी, फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा काशी
13. कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

**<u>प्रथम वर्ष, सेमेस्टर – 2</u>**

**MAJOR-2**

**<u>PAPER CODE-HIN-MJ2</u>**

**हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)**स्नातक प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल के विविध पहलुओं से सम्यक रूप से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल की शुरूआत की पृष्ठभूमि, प्रेस का आगमन, 1857 की क्रांति के प्रभावों तथा हिन्दी नवजागरण की उपलब्धियों तथा सीमाओं के बारे में विस्तार से जानेंगे। साथ ही भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता आदि आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रमुख सोपानों का सम्यक अध्ययन करेंगे। इस पत्र में विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं के बारे में भी अध्ययन करेंगे.

**इकाई-1:**

1857 की राज्य क्रांति और हिन्दी नवजागरण
प्रेस का आगमन
भारतेन्दु युग : प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि, उपलब्धियाँ
द्विवेदी युग : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ

**इकाई-2 :**

छायावाद : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
प्रगतिवाद : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
प्रयोगवाद : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
नई कविता : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता : विशेषताएं, प्रमुख कवि, प्रमुख उपलब्धियाँ
समकालीन हिन्दी कविता : विशेषताएं, प्रमुख उपलब्धियाँ

**इकाई-3 : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास**

हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास
हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास
हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास
हिन्दी की साहित्यिक पत्रिकाओं का उद्भव और विकास

**इकाई- 4: कथेतर विधाएं**

यात्रा वृत्तान्त, संस्मरण, आत्मकथा, डायरी, रेखाचित्र, जीवनी, साक्षात्कार और रिपोर्ताज

## सहायक ग्रंथ सूची


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
2. आदिकालीन तथा मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ, हेमंत कुकरेती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का अतीत, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपा. डॉ. नगेन्द्र , के एल मल्लिक एंड संस, दिल्ली
9. साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
10. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, संपा. गोपेश्वर सिंह
11. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध, मुकेश गर्ग, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
13. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, डॉ.विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट, ब्लैकस्वान, दिल्ली
14. भक्ति के तीन स्वर, जॉन स्ट्रेटन हॉली, (अनु.) अशोक कुमार , राजकमल प्रकाशन
15. रीतिकाव्य, नंदकिशोर नवल,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. निर्गुण संतों का स्वप्न, डेविड लारिजन,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
17. मध्यकालीन काव्यभाषा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. मध्यकालीन बोध का स्वरूप, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली


**SECOND SEMESTER**

INTERNSHIP

# द्वितीय वर्ष , सेमेस्टर-3

**MAJOR-3**

**PAPER CODE-HIN-MJ3**

**भारतीय काव्यशास्त्र**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)** स्नातक तृतीय सत्र के विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध सिद्धांतों और संप्रदायों से सम्यक रूप से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी काव्य लक्षण,काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, रस, ध्वनि तथा अलंकार की अवधारणा और उसकी सैद्धान्तिकी का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

**इकाई : 1**

काव्य लक्षण,काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन ।

**इकाई : 2**

रस की अवधारणा, रस की निष्पति, साधारणीकरण ।

**इकाई : 3**

ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण ।

**इकाई : 4**

अलंकार की अवधारणा, अलंकारों का वर्गीकरण ।

**सहायक ग्रन्थ सूची**


1. भारतीय काव्यशात्र, तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गणपति चंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र की रूपरेखा, गणपति चंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र, त्रिलोकीनाथ श्रीवास्तव,
5. काव्यशात्र, डॉ.भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. भारतीय काव्यशास्त्र, योगेन्द्र प्रताप सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

## द्वितीय वर्ष , सेमेस्टर-3

**MAJOR-4**

**<u>PAPER CODE-HIN-MJ4</u>**

**आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)** स्नातक तृतीय  सत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)  के प्रमुख कवियों की कविताओं से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता के प्रारम्भिक कवियों  श्रीधर पाठक, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, मैथिली शरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी की कविताओं के साथ-साथ छायावाद के चतुष्टय - जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा  की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

श्रीधर पाठक - काश्मीर सुषमा, निज स्वदेश, सुन्दर भारत

अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध- ब्रज की गोधूलि, फूल और कांटे

मैथिली  शरण गुप्त- सखी वे मुझसे कहकर जाते (यशोधरा), निरख सखी ये खंजन आये (साकेत- नवम सर्ग), किसान

रामनरेश त्रिपाठी-शारद तरंगिनी, पथिक, आगे बढे चलेंगे

जय शंकर प्रसाद- आह वेदना मिली विदाई, ले चल मुझे भुलावा देकर,बीती विभावरी जागरी, आत्मकथ्य

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला-जूही की कली, संध्या सुंदरी, भिक्षुक, बादल राग भाग-1

सुमित्रानंदन पंत- पल्लव, ताज, कुसुमों के जीवन का पल, ग्राम, प्रथम रश्मि

महादेवी वर्मा-बीन भी हूँ  मैं, तुम्हारी, रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुख की बदली, जो तुम आ जाते एक बार, पुलक पुलक उर  सिहर सिहर तन

### सहायक ग्रन्थ सूची

1. प्रसाद, पंत, निराला और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ , सम्पादक वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रियप्रवास, अयोध्यासिंह उपाध्याय, 'हरिऔध' हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी
3. भारत भारती, मैथिलीशरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
4. यशोधरा, मैथिली शरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. मैथिली शरण गुप्त, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रसाद-पन्त-अज्ञेय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
7. निराला की साहित्य साधना, खण्ड-( 1,2,3), रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. निराला: आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
9. निराला, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. निराला की छवियाँ, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा, रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. सुमित्रानंदन पन्त, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
13. सुमित्रानंदन पन्त, कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, इलाहबाद
14. सुमित्रानंदन पन्त, जीवन और साहित्य भाग (भाग-2), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. महादेवी, परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. महादेवी, दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, पुस्तक मंदिर, आग

# द्वितीय वर्ष , सेमेस्टर - 4

## MAJOR-5

**<u>PAPER CODE-HIN-MJ5</u>**

## पाश्चात्य काव्यशास्त्र

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of Syllabus)** स्नातक चतुर्थ सत्र के विद्यार्थियों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख काव्यशास्त्रियों और उनके प्रमुख काव्य-सिद्धांतों से सम्यक रूप से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत के क्षेत्र में प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, वर्डसवर्थ, कॉलरिज, क्रोचे, टी.एस. एलियट और आई. ए. रिचर्डस के योगदान का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

**प्लेटो** - काव्य सम्बन्धी मान्यताएँ ।

**अरस्तू** - अनुकृति एवं विरेचन ।

**लोंजाइनस** -काव्य में उदात्त की अवधारणा ।

**वर्डसवर्थ** – काव्य भाषा का सिद्धांत ।

**कॉलरिज** - कल्पना और फैंटेसी ।

**क्रोचे** - अभिव्यंजनावाद ।

**टी.एस. एलियट** - परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत ।

**आई. ए. रिचर्डस** - मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत ।

### सहायक ग्रंथ सूची


1. पाश्चात्य काव्यशात्र : नई प्रवृति, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र अधुनातन सन्दर्भ, सत्यदेव मिश्र, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3. पाश्चात्य काव्य चिंतन, करुणाशंकर उपाध्याय, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गणपति चंद्रगुप्त, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र की रूपरेखा, गणपति चंद्रगुप्त, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
6. पाश्चात्य काव्यशात्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक, दिल्ली
7. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

8. पाश्चात्य काव्यशात्र, विजय बहादुर सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
9. पाश्चात्य काव्यशात्र, इतिहास, सिद्धांत और वाद, डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
10. पाश्चात्य काव्यशात्र, डॉ. तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

**द्वितीय वर्ष , सेमेस्टर -4**
**MAJOR-6**
**PAPER CODE-HIN-MJ6**
**छायावादोत्तर हिंदी कविता**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)** स्नातक चतुर्थ सत्र के विद्यार्थियों को छायावादोत्तर हिंदीकविता के प्रमुख कवियों की कविताओं से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी छायावादोत्तर हिंदी कविता के प्रतिनिधि कवियों नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन, शमशेर बहादुर सिंह,अज्ञेय , मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय, धूमिल, और केदारनाथ सिंह की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

**इकाई-1**
**नागार्जुन**–सत्य, बहुत दिनों के बाद, गुलाबी चूड़ियाँ
**केदारनाथ अग्रवाल**- चन्द्र गहना से लौटती बेर, मजदूर का जन्म, वह जन मारे नहीं मरेगा
**त्रिलोचन-** चंपा काले-काले अक्षर नहीं चीन्हती, ग़ालिब, कब बैठी है आंसुओं से राह जीवन की

**इकाई -2**
**शमशेर बहादुर सिंह**– सींग और नाख़ून, जीवन की कमान, यह शाम है
**अज्ञेय-** नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, सांप
**मुक्तिबोध-** विचार आते हैं, मैं तुमलोगों से दूर हूँ, एक भूतपूर्व विद्रोही का आत्मकथन

**इकाई- 3**
**रघुवीर सहाय,** नेता क्षमा करे, अधिनायक, आने वाला खतरा
**धूमिल-**रोटी और संसद, मोचीराम, लोहे का स्वाद
**केदारनाथ सिंह-** पानी में घिरे हुए लोग, सन् 47 को याद करते हुए , शहर में रात

**सहायक ग्रंथ सूची**

1. आधुनिक हिन्दी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. समकालीन हिन्दी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. फिलहाल, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4. कुछ पूर्वग्रह, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. समकालीन कविता का बीजगणित, कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

# तृतीय वर्ष , सेमेस्टर -5

**MAJOR-7**

**PAPER CODE-HIN-MJ7**

**भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)** स्नातक पंचम सत्र के विद्यार्थियों को भाषा तथा भाषाविज्ञान के विविध अंगों एवं विशेषताओं से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी भाषा विज्ञान के प्रमुख अनुशासनों स्वनिम विज्ञान, रूपिम विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान का विस्तृत अध्ययन करेंगे। इसके साथ-साथ इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी भाषा की प्रमुख बोलियों, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी तथा देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, मानकीकरण एवं उसके सुधार का प्रयास आदि विषयों का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

**इकाई-1**

भाषा : परिभाषा, विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण

भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध

**इकाई-2**

स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, रचना, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण-स्थान और प्रयत्न के आधार पर, स्वन परिवर्तन के कारण

रूपिम विज्ञान- शब्द और रूप (पद),पद विभाग- नाम आख्यात, उपसर्ग और निपात

वाक्य विज्ञान- वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण

अर्थ विज्ञान - शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और विशेषताएँ

**इकाई-3**

अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ

राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी

देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, मानकीकरण एवं सुधार का प्रयास

## सहायक ग्रन्थ सूची

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषा और समाज, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल पब्लिशर्स, दिल्ली

# तृतीय वर्ष , सेमेस्टर -5

**MAJOR-8**

**PAPER CODE-HIN-MJ8**

**हिंदी कहानी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) स्नातक पंचम सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी कहानी के प्रमुख हस्ताक्षरों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी कहानी के प्रतिनिधि कहानीकारों चंद्रधर शर्मा गुलेरी, प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, सुदर्शन, जैनेन्द्र कुमार, फणीश्वरनाथ रेणु, निर्मल वर्मा, अमरकांत, कृष्णा सोबती और ज्ञानरंजन की कहानियों का अध्ययन करेंगे।

**कहानी**

चंद्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था
प्रेमचंद – पूस की रात
जयशंकर प्रसाद - गुंडा
सुदर्शन - हार की जीत
जैनेन्द्र कुमार - पाजेब
फणीश्वरनाथ रेणु – तीसरी कसम
मोहन राकेश - मिस पाल
निर्मल वर्मा - परिंदे
अमरकांत - दोपहर का भोजन
कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया
ज्ञानरंजन - पिता

**सहायक ग्रन्थ सूची**


1. हिन्दी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन
2. कहानी: नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन
3. कहानी स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन
4. कहानी की रचना प्रक्रिया, परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन
5. हिन्दी कहानी के अंतरंग परिचय, उपेन्द्रनाथ अश्क, नीलाभ प्रकाशन
6. नई कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन
7. हिन्दी कहानी : अपनी जबानी, इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन
8. कुछ कहानियाँ कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
9. हिन्दी कहानी समीक्षा और संदर्भ, डॉ. विवेकी राय, लोकभारती प्रकाशन

# तृतीय वर्ष , सेमेस्टर -5

**MAJOR-9**

**PAPER CODE-HIN-MJ9**

**हिंदी नाटक एवं एकांकी**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)** स्नातक पंचम सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक एवं एकांकी के प्रमुख हस्ताक्षरों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी नाटक के प्रतिनिधि नाटककारों भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश, भीष्म साहनी के नाटकों और हिन्दी के प्रमुख एकांकीकारों उपेन्द्र नाथ अश्क, रामकुमार वर्मा, भुवनेश्वर और जगदीशचन्द्र माथुर की एकांकियों का अध्ययन करेंगे।

**नाटक**

भारतेंदु हरिश्चंद्र - अंधेर नगरी
जयशंकर प्रसाद - ध्रुवस्वामिनी
मोहन राकेश - आषाढ़ का एक दिन
भीष्म साहनी - माधवी

**एकांकी**

उपेन्द्र नाथ अश्क – साहब को जुकाम है
रामकुमार वर्मा – औरंगजेब की आखिरी रात
भुवनेश्वर – स्ट्राइक
जगदीश चन्द्र माथुर –भोर का तारा

**सहायक ग्रन्थ सूची**


1. हिंदी एकांकी, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली
2. एकांकी उद्भव और विकास, मंजरी त्रिपाठी, ज्ञान विज्ञान प्रकाशन,दिल्ली
3. हिंदी नाटक के पांच दशक, कुसुम खेमानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश,रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. नाटककार जगदीशचन्द्र, गोविन्द चातक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. जयशंकर प्रसाद: रंगदृष्टि, महेश आनंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. रंगमंच और जनतंत्र, सत्येन्द्र कुमार तनेजा,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

# तृतीय वर्ष , सेमेस्टर -6

**MAJOR-10**

**PAPER CODE-HIN-MJ10**

## हिंदी उपन्यास

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)** स्नातक पंचम सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास के प्रमुख हस्ताक्षरों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों प्रेमचंद, जैनेन्द्र कुमार, फणीश्वरनाथ रेणु, अमृतलाल नागर, मन्नू भंडारी और विनोद कुमार शुक्ल के उपन्यासों का अध्ययन करेंगे।

**उपन्यास**

प्रेमचंद - गबन
जैनेन्द्र कुमार – त्यागपत्र
फणीश्वरनाथ रेणु - जुलूस
अमृतलाल नागर - मानस का हंस
मन्नू भंडारी – महाभोज
विनोद कुमार शुक्ल – नौकर की कमीज

**सहायक ग्रन्थ सूची**


1. हिन्दी उपन्यास का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन
2. हिन्दी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन
3. प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
4. हिन्दी उपन्यास एक अंर्तयात्रा, रामदरश मिश्रा, राजकमल प्रकाशन
5. हिन्दी उपन्यास समकालीन परिदृश्य, महीप सिंह, लिपी प्रकाशन
6. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास, रामगोपाल सिंह, अक्षर प्रकाशन
7. उपन्यास और लोकजीवन, रैल्फफॉक्स, पीपुल पब्लिशिंग हाउस

**तृतीय वर्ष , सेमेस्टर - 6**

**MAJOR-11**

**PAPER CODE-HIN-MJ5**

**प्रयोजनमूलक हिंदी**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)** स्नातक षष्ठ सत्र के विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी पारिभाषिक शब्दावली से संबंधित विषयों को पढ़ने के साथ-साथ प्रशासकीय पत्राचार के विविध रूप का भी अध्ययन करेंगे।

**इकाई - 1**

प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप, व्यवहार और क्षेत्र

**इकाई - 2**

पारिभाषिक शब्दावली :सामान्य विशेषताएं एवं वर्गीकरण, महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्धारण–समस्या और समाधान

**इकाई - 3**

प्रशासकीय पत्राचार के विविध रूप :सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालयी ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र: अर्ध सरकारी, अनौपचारिक, निर्देश, टिप्पणी , अनुस्मारक पत्र

**सहायक ग्रन्थ सूची**


1. प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, नयी दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिकता और जनसंचार, ठाकुर दत्त आलोक, वाणी प्रकाशन,
3. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. राजभाषा हिंदी, भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन

# तृतीय वर्ष , सेमेस्टर - 6

**MAJOR-12**

**PAPER CODE-HIN-MJ12**

**हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus)** स्नातक षष्ठ सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी कथेतर गद्य के प्रमुख हस्ताक्षरों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी निबन्ध के साथ-साथ संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृत्तान्त आदि कथेतर विधाओं की प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन करेंगे।

**सरदार पूर्ण सिंह** - मजदूरी और प्रेम
**रामचंद्र शुक्ल** - करुणा
**हजारीप्रसाद द्विवेदी** - देवदारु
**विद्यानिवास मिश्र** - मेरे राम का मुकुट भींग रहा है
**शिवपूजन सहाय** - महाकवि जयशंकर प्रसाद
**रामवृक्ष बेनीपुरी** - राधिका
**नामवर सिंह** - व्यापकता और गहराई
**महादेवी वर्मा** - गिल्लू
**कृष्णनाथ** - स्पीति में बारिश

### सहायक ग्रन्थ सूची


1. चिंतामणि भाग-1 आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
2. मेरे राम का मुकुट भींग रहा है, विद्यानिवास मिश्र,
3. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. आचार्य रामचंद शुक्ल और हिंदी आलोचना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
5. ललित निबंध के पुरोधा, विद्यानिवास मिश्र,
6. इतिहास और आलोचना, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मेरा परिवार, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

NCCF UG 7$^{TH}$ SEMESTER

Paper Code: HIN-MJ13

# शोध प्रविधि एवं शोध नैतिकता

# Research Methodology & Ethics

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक सप्तम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को शोध प्रविधि के विविध आयामों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी शोध, शोध-प्रविधि, शोध आलोचना से सम्बन्धित अवधारणाओं तथा उसके विविध सोपानों से जुड़े सैद्धांतिक पक्षों का अध्ययन करेंगे। साथ ही शोध कार्य के लिए आवश्यक कंप्यूटर ज्ञान, इंटरनेट के उपयोग तथा शोध और प्रकाशन से जुड़ी नैतिकता आदि का भी अध्ययन इस पाठ्यक्रम का ध्येय है।

**इकाई : 1**

शोध- अर्थ, स्वरूप और प्रकार

अच्छे एवं मानक शोध की विशेषताएं

शोध एवं आलोचना : अंतर और अंतरसंबंध

**इकाई : 2**

शोध प्रविधि : विषय चयन, शोध परिकल्पना, रूपरेखा निर्धारण, अध्यायीकरण, उप-अध्यायीकरण, तथ्य संग्रह, प्रबंध लेखन, पाद टिप्पणी, अनुक्रमणिका, परिशिष्ट

**इकाई : 3**

शोध, आलोचना तथा सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समीक्षा, हिंदी शोध के स्रोत एवं इतिहास

**इकाई : 4**

शोध कार्य हेतु अपेक्षित कंप्यूटर ज्ञान, शोध में इंटरनेट का उपयोग, कंप्यूटरीकृत हिंदी

टंकण

**इकाई : 5**

शोध एवं प्रकाशन नैतिकता, शोधार्थियों के नैतिक दायित्व, प्रकाशन सदाचार

सहायक ग्रंथ सूची :


1. शोध प्रविधि, विनय मोहन शर्मा, नैशनल पब्लिशिंग हाउस
2. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन
3. शोध प्रस्तुति, उमा पाण्डेय, नैशनल पब्लिशिंग हाउस
4. शोध : स्वरूप एवं मानक – व्यावहारिक कार्यविधि, बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन
5. हिंदी अनुसंधान : सिद्धांत और व्यवहार, सुरेश निर्मल, अमित प्रकाशन

NCCF UG 7TH SEMESTER

PAPER CODE – HIN-MJ14

## (क) साहित्य और सिनेमा (वैकल्पिक पत्र)

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक सप्तम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को साहित्य और सिनेमा से संबंधित प्रमुख विषयों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, सिने सिद्धांत, सिनेमा का तकनीकी पक्ष, हिंदी सिनेमा के संक्षिप्त इतिहास का अध्ययन करने के साथ-साथ हिंदी साहित्य और सिनेमा के अंतरसंबंध के प्रमुख बिंदुओं का भी अध्ययन करेंगे।

**इकाई : 1**

सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उद्देश्य, मध्यमवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा: कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, प्रमुख सिने सिद्धांत।

**इकाई : 2**

सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा: सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिनेसंगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।

**इकाई : 3**

हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारम्भिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज

का यथार्थ, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिंदी सिनेमा, कला एवं व्यावहारिक सिनेमा, वाक सिनेमा।

**इकाई : 4**

साहित्य और सिनेमा : अंतर्संबंध, सिनेमा और कथा-साहित्य, संवेदना का रूपांतरण और तकनीक।

सहायक ग्रंथ सूची :


1. भारतीय सिनेमा सिद्धांत, अनुपम ओझा, राधा कृष्ण प्रकाशन
2. लेखक का सिनेमा, कुंवर नारायण, संपादक - गीत चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन
3. सिनेमा के बारे में, जावेद अख्तर, नसरीन मुन्नी कबीर, राजकमल प्रकाशन
4. धुनों की यात्रा, पंकज राग, राजकमल प्रकाशन
5. कवि शैलेंद्र: जिंदगी की जीत, प्रहलाद अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
6. पटकथा लेखन एक परिचय , मनोहर श्याम जोशी , राजकमल प्रकाशन

NCCF UG 7$^{TH}$ SEMESTER

MAJOR – 14

PAPER CODE – HIN-MJ14

## (ख) समकालीन हिन्दी कविता (वैकल्पिक पत्र)

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक सप्तम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को समकालीन हिन्दी कविता से संबंधित प्रमुख रचनाओं तथा रचनाकारों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी समकालीन हिन्दी कविता के प्रमुख रचनाकारों जैसे -कुँवर नारायण, विजयदेवनारायण साही, राजेश जोशी, विनोद कुमार शुक्ल, आलोक धन्वा, मंगलेश डबराल, कात्यायनी, अनामिका, सविता सिंह आदि की प्रमुख रचनाओं का भी अध्ययन करेंगे।

**इकाई : 1**

कुँवर नारायण – अबकी बार लौटा तो, बात सीधी थी पर, अयोध्या 1992

विजयदेवनारायण साही – मछलीघर, संदर्भहीन बारिश, जलते हुए जंगल के पास

विनोद कुमार शुक्ल – जो मेरे घर कभी नहीं आयेंगे, जितने सभ्य होते हैं, हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

**इकाई : 2**

राजेश जोशी – बच्चे काम पर जा रहे हैं, दो पंक्तियों के बीच, मारे जायेंगे

आलोक धन्वा – सफ़ेद रात, ब्रूनों की बेटियाँ, जनता का आदमी

मंगलेश डबराल – सपने की कविता, नए युग में शत्रु, पागल औरत

**इकाई : 3**

कात्यायनी – नई इबारत के बारे में, शिनाख्त, सात भाइयों के बीच चम्पा

अनामिका – बरसात का मतलब है, वृद्धाएँ धरती का नमक हैं, दरवाजा

सविता सिंह – मेरी माँ नहीं जानती थी, जाल, बीत गया समय

सहायक ग्रंथ सूची –


1. समकालीन कविता की भूमिका, जीवन प्रकाश जोशी, भारती भाषा प्रकाशन, नयी दिल्ली, संस्करण 1978
2. समकालीन साहित्य एक नई दृष्टि, इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, नयी दिल्ली, संस्करण 1977
3. समकालीन कविता के व्याकरण, परमानन्द श्रीवास्तव, शुभदा प्रकाशन, नयी दिल्ली, संस्करण 1980
4. समकालीन कविता के संपर्क, देवेन्द्र कुमार, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, संस्करण 1989
5. समकालीन कविता इतिहास बोध, राजेश कुमार, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, संस्करण 1989
6. समकालीन कविता पर एक बहस, नंदकिशोर नवल, अनुपम प्रकाशन, पटना, संस्करण 1993
7. समकालीन हिन्दी कविता, ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

NCCF UG 7TH SEMESTER

MAJOR – 14

PAPER CODE – HIN-MJ14

**(ग) समकालीन कथा साहित्य (वैकल्पिक पत्र)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक सप्तम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को हिन्दी के समकालीन कथा साहित्य से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी समकालीन कथा साहित्य के प्रमुख कथाकारों से परिचित होने के साथ-साथ समकालीन कथा साहित्य के कुछ प्रतिनिधि रचनाओं का भी अध्ययन करेंगे।

**इकाई : 1 उपन्यास**

राग दरबारी – श्रीलाल शुक्ल

तमस – भीष्म साहनी

**इकाई : 2 कहानी**

मन्नू भंडारी – त्रिशंकु

नासिरा शर्मा – दूसरा ताजमहल

मनोज रूपड़ा – साज नासाज

अमरकांत – जिंदगी और जोंक

ज्ञानरंजन – पिता

काशीनाथ सिंह – कविता की नई तारीख

संजीव – अपराध

उदय प्रकाश – पाल गोमरा का स्कूटर

शिवमूर्ति – तिरिया चरित्तर

अखिलेश – चिट्ठी

सहायक ग्रंथ सूची :


1. राग दरबारी, श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन
2. तमस, भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन
3. एक दुनिया समानांतर, राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन
4. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन
5. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन
6. कहानी नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
7. हिंदी कहानी प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राजकमल प्रकाशन
8. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन
9. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकाशन
10. हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन
11. हिंदी उपन्यास का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकशन

NCCF UG 7TH SEMESTER

MAJOR – 15

PAPER CODE – HIN-MJ15

## Seminar

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में संगोष्ठी में भागीदारी के माध्यम से शोध एवं प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास करना तथा हिन्दी साहित्य का इतिहास, भारतीय तथा पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, हिन्दी भाषा का विकास, भाषा विज्ञान, अस्मितमूलक विमर्श तथा हिन्दी की अन्य गद्यविधाओं में निहित चेतना एवं अवधारणा से परिचित कराना है। यह पाठ्यक्रम आलोचनात्मक चिंतन, अंतर्विषयी समझ तथा हिन्दी ग्रंथों में निहित ज्ञान के प्रति सराहना की भावना विकसित करने का भी लक्ष्य रखता है।

**पाठ्यक्रम का परिणाम (Course Outcomes) :** इस पाठ्यक्रम के पूर्ण होने पर छात्र हिन्दी अध्ययन के चयनित विषयों पर शैक्षणिक दक्षता एवं आत्मविश्वास के साथ संगोष्ठी-पत्र तैयार करने और प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे। वे हिन्दी साहित्य में प्रतिबिंबित विषयगत चेतना को समझने तथा उसका आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में समर्थ होंगे और समकालीन साहित्य तथा सतत विकास से संबंधित मुद्दों में उसकी प्रासंगिकता की सराहना करेंगे।

NCCF UG 7TH SEMESTER

MAJOR – 16 (Honours With Research)

PAPER CODE – HIN-MJ16

**Dissertation Paper**

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में स्वतंत्र शोध का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है; शोध-विषय का चयन, प्रासंगिक स्रोतों का संग्रह एवं विश्लेषण तथा उपयुक्त शोध-पद्धतियों का प्रयोग करने का कौशल विकसित करना है। साथ ही विशेषज्ञ मार्गदर्शन में आलोचनात्मक चिंतन, विद्वत्तापूर्ण लेखन तथा शैक्षणिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना भी इसका उद्देश्य है।

**पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम (Course Outcomes) :** इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से शोध करने, एक व्यवस्थित शोध-प्रबंध तैयार करने तथा शैक्षणिक लेखन, पाठ-विश्लेषण एवं हिन्दी स्रोतों की व्याख्या में दक्षता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे। वे शोध-संबंधी कौशल विकसित करेंगे तथा हिन्दी भाषा एवं साहित्य के उन्नत अध्ययन में योगदान देने की क्षमता प्राप्त करेंगे।

NCCF UG 7TH SEMESTER

MAJOR – 16 (For Honours)

PAPER CODE – HIN-MJ16

# हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक सप्तम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि एवं हिन्दी के विविध रूपों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है।

**इकाई: 1**

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, पाली, प्राकृत-सौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, अपभ्रंश अवहठ, और पुरानी हिंदी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण

**इकाई: 2**

हिंदी का भौगोलिक विस्तार: हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियाँ, खड़ी बोली ब्रजभाषा और अवधी की विशेषताएँ, हिंदी के विविध रूप: हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी

**इकाई: 3**

हिंदी के विविध रूप : संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम-भाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, उदयनारायण तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2. मानक हिंदी का स्वरूप, कलानाथ शास्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग, भोलेनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

7. साहित्य का भाषिक चिंतन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8. अद्यतन भाषा विज्ञान, पाण्डेय शशिभूषण, शीतांशु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9. भाषा का समाजशास्त्र, राजेन्द्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

10. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत, रामकिशोर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

11. भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

12. भाषा की भाषा समस्या, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

NCCF UG 8TH SEMESTER

Major – 17

PAPER CODE – HIN-MJ17

**(हिंदी आलोचना)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक अष्टम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना के प्रमुख हस्ताक्षरों और उनकी आलोचना दृष्टि से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि, भारतेंदुयुगीन तथा द्विवेदीयुगीन आलोचना का अध्ययन करने के साथ-साथ आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, नन्ददुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह, मुक्तिबोध, अज्ञेय और विजयदेव नारायण साही, मैनेजर पांडेय की आलोचना दृष्टि का अध्ययन करेंगे।

**इकाई : 1**

हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि, भारतेंदु और द्विवेदीयुगीन आलोचना।

**इकाई : 2**

आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि।

**इकाई : 3**

डॉ. नगेंद्र, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा और नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि।

**इकाई : 4**

मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही और मैनेजर पांडेय की आलोचना दृष्टि।

सहायक ग्रंथ सूची :


1. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
2. हिंदी आलोचना का विकास, मधुरेश, लोक भारतीय प्रकाशन
3. आधुनिकता और हिंदी आलोचना, इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन
4. हिंदी आलोचना: शिखरों से साक्षात्कार, रामचंद्र तिवारी, राजकमल प्रकाशन
5. हिंदी आलोचना का बीच शब्द, बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन
6. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन
7. हिंदी आलोचना के नए परिप्रेक्ष्य, मनोज पांडेय, राजकमल प्रकाशन
8. हिंदी आलोचना का विकास, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
9. हिंदी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास, अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
11. आधुनिक हिंदी साहित्य में समालोचना का विकास, वेंकट शर्मा

NCCF UG 8$^{TH}$ SEMESTER

MAJOR – 18

PAPER CODE – HIN-MJ18

## (क) अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (वैकल्पिक पत्र)

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक अष्टम सत्र के विद्यार्थियों को प्रमुख अस्मितमूलक विमर्शों से परिचित कराना इस सत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श की अवधारणा, इतिहास तथा सैद्धांतिकी का अध्ययन करने के साथ-साथ हिंदी साहित्य के स्त्री विमर्श, दलित विमर्श तथा आदिवासी विमर्श से संबंधित कुछ प्रमुख रचनाओं का अध्ययन करेंगे।

**इकाई : 1 विमर्शों की सैद्धांतिकी**

क) दलित विमर्श – अवधारणा और आंदोलन, जोतिबा राव फुले और भीमराव अम्बेडकर का वैचारिक चिंतन:एक परिचय

ख) स्त्री विमर्श – अवधारणा और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ )

ग) आदिवासी विमर्श – अवधारणा और आंदोलन

**इकाई : 2 विमर्शमूलक कथा साहित्य**

ओमप्रकाश वाल्मीकि – घुसपैठिए

जयप्रकाश कर्दम – नो बार

सुमित्रा कुमारी सिंहा – व्यक्तित्व की भूख

**इकाई : 3**

**दलित कविता**

अछूतानन्दजी ‘हरिहर’ – सवर्णों को चेतावनी, मनुस्मृति से जलन

मलखान सिंह – हमारे गाँव में, मैं आदमी नहीं हूँ

सुशीला टाकभौरे – धृतराष्ट्र ने कहा, पीड़ा की फसलें

**स्त्री कविता :**

कीर्ति चौधरी – सीलन भरी कोठरी में, दो जिंदगियाँ

अनीता वर्मा – स्त्री का चेहरा, इस्तेमाल

गगन गिल – यह लड़की जब उदास होगी, एक दिन लौटेगी लड़की

**आदिवासी कविता :**

अनुज लुगुन – एकलव्य से संवाद, अघोषित उलगुलान

जसिंता केरकेट्टा – नदी पहाड़ और बाजार, साहेब! कैसे करोगे खारिज?

पूनम वासन – मछलियाँ गाएंगी एकदिन पंडुम गीत, महुआ का पेड़ जानता है

**इकाई : 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं**

शृंखला की कड़ियाँ – महादेवी वर्मा (प्राथमिक दो निबंध)

जाति का विनाश – भीमराव अंबेडकर

मुर्दहिया – डॉ. तुलसीराम

सहायक ग्रंथ सूची :


1. महात्मा ज्योतिबा फुले, सं – एल जी मेश्राम ‘विमलकीर्ति’, राधाकृष्ण प्रकाशन
2. अंबेडकर संचयन, रामजी यादव, सामयिक प्रकाशन
3. दलित साहित्य का समाजशास्त्र, हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ
4. दलित साहित्य एक अंतर्यात्रा, बजरंग बिहारी तिवारी, नवारूँ प्रकाशन
5. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन
6. अपना कमरा, वर्जीनिया वुल्फ़, वाणी प्रकाशन

7. स्त्री संघर्ष का इतिहास, राधा कुमार, राजकमल प्रकाशन
8. स्त्री उपेक्षिता ( द सेकंड सेक्स) सिमोन द बोउवार, प्रभा खेतान, हिंदी पॉकेट बुक्स
9. बधिया स्त्री, जर्मन ग्रीयर, राजकमल प्रकाशन
10. स्त्री अध्ययन की बुनियाद, प्रमिला के पी, राजकमल प्रकाशन
11. आदमी की निगाह में औरत, राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन
12. आदिवासी साहित्य विमर्श, सं – गंगा सहाय मीणा, अनामिका पुब्लिशर्स
13. आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, कुमार कमलेश, तेज प्रकाशन
14. आदिवासी विमर्श, सं – वी कृष्ण एवं भीम सिंह, स्वराज प्रकाशन

NCCF UG 8TH SEMESTER

MAJOR – 18

PAPER CODE – HIN-MJ18

## (ख) आधुनिक भारतीय साहित्य (वैकल्पिक)

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक अष्टम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य के प्रमुख हस्ताक्षरों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी भारतीय साहित्य की प्रमुख भाषाओं- बांग्ला, कन्नड़, मराठी, उर्दू , मलयालम आदि के प्रमुख साहित्यकारों की प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन करेंगे।

**इकाई : 1 - उपन्यास**

गोरा- रवींद्रनाथ ठाकुर (बांग्ला)

संस्कार- यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)

**इकाई : 2 - नाटक**

हयवदन- गिरीश कर्नाड (कन्नड़)

घासीराम कोतवाल- विजय तेंदुलकर (मराठी)

**इकाई : 3 - आत्मकथा**

कागजी है पैरहन- इस्मत चुगताई (उर्दू)

आलो आंधारी- बेबी हालदार (बांग्ला)

**इकाई : 4 - कविता**

गीतांजलि, रवींद्रनाथ ठाकुर, (प्रारंभिक पांच कविताएं, अनुवाद – प्रयाग शुक्ल, के. सच्चिदानंद (मलयालम) : प्रतिनिधि संकलन (प्रारंभिक पांच कविताएं)

संदर्भ ग्रंथ सूची :


1. गोरा, रवींद्रनाथ ठाकुर, साहित्य अकादमी
2. संस्कार, यू. आर. अनंतमूर्ति, राजकमल प्रकाशन
3. घासीराम कोतवाल, विजय तेंदुलकर, राजकमल प्रकाशन
4. हयवदन, गिरीश कर्नाड, राजकमल प्रकाशन
5. कागजी है पैरहन, इस्मत चुगताई, राजकमल प्रकाशन
6. आलो आंधारी, बेबी हालदार, रोशनी प्रकाशन
7. सच्चिदानंद की कविताएं, प्रतिनिधि संकलन, लोकमित्र प्रकाशन

NCCF UG $8^{TH}$ SEMESTER

MAJOR – 18

PAPER CODE – HIN-MJ18

**(ग) विश्व साहित्य (वैकल्पिक)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक अष्टम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को विश्व साहित्य से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी विश्व साहित्य के प्रमुख रचनाकारों से परिचित होने के साथ-साथ विश्व साहित्य की विविध विधाओं की कुछ प्रमुख रचनाओं का भी अध्ययन करेंगे।

**इकाई : 1 नाटक**

विलियम शेक्सपियर – जूलियस सीजर (अंग्रेजी)

बर्तोल्त ब्रेख्त – खड़िया का घेरा (जर्मनी)

**इकाई : 2 उपन्यास**

मैक्सिम गोर्की : माँ (रूसी)

जॉर्ज ऑरवेल : एनिमल फार्म (अंग्रेजी)

**इकाई : 3 कविता**

शार्ल बादलेयर (फ्रांसीसी) – तस्वीर, पाठक से, दिन का अंत

पर्सी बिश शेली (अंग्रेजी) – गीत, चेतावनी, एक क्षण

व्लादिमीर मायकोवस्की (रूसी) – एक बजे के बाद, पसंद अपनी-अपनी, अच्छा क्या है और बुरा क्या

नाज़िम हिकमत (तुर्की) – 27 अप्रैल, कभी न लौटने के लिए जाना, जीने के लिए मरना

पाब्लो नेरुदा (स्पैनिश) – कुछ सवाल, यही है सादगी

संदर्भ ग्रंथ सूची :


1. विलियम शेक्सपियर – जूलियस सीजर, अनुवादक – कमलेश्वर,
2. बर्तोल्त ब्रेख्त – खड़िया का घेरा, अनुवादक – कमलेश्वर,
3. मैक्सिम गोर्की : माँ, अनुवादक – राजेन्द्र यादव
4. जॉर्ज ऑरवेल : एनिमल फार्म, अनुवादक – अभिषेक श्रीवास्तव
5. व्लादिमीर मायकोवस्की की कविताएं (कविता संचयन), अनुवाद – राजेश जोशी, संवाद प्रकाशन, Hindisamay.com, Kavitakosh.org
6. प्रेम कविताएं, नाज़िम हिकमत, अनुवाद – सुरेश सलिल, वाणी प्रकाशन, Hindisamay.com, Kavitakosh.org

NCCF UG 8$^{TH}$ SEMESTER

MAJOR – 19 (For Honours With Research)

PAPER CODE – HIN-MJ19

**Dissertation Paper**

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में स्वतंत्र शोध का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है; शोध-विषय का चयन, प्रासंगिक स्रोतों का संग्रह एवं विश्लेषण तथा उपयुक्त शोध-पद्धतियों का प्रयोग करने का कौशल विकसित करना है। साथ ही विशेषज्ञ मार्गदर्शन में आलोचनात्मक चिंतन, विद्वत्तापूर्ण लेखन तथा शैक्षणिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना भी इसका उद्देश्य है।

**पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम (Course Outcomes) :** इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से शोध करने, एक व्यवस्थित शोध-प्रबंध तैयार करने तथा शैक्षणिक लेखन, पाठ-विश्लेषण एवं हिन्दी स्रोतों की व्याख्या में दक्षता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे। वे शोध-संबंधी कौशल विकसित करेंगे तथा हिन्दी भाषा एवं साहित्य के उन्नत अध्ययन में योगदान देने की क्षमता प्राप्त करेंगे।

NCCF UG 8$^{TH}$ SEMESTER

MAJOR – 19 (For Honours)

PAPER CODE – HIN-MJ19

# पत्रकारिता

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) :** स्नातक अष्टम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप, इतिहास, मीडिया के विविध रूपों तथा समाचार लेखन तथा सम्पादन कला से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। साथ ही पत्रकारिता के दायित्व तथा प्रेस संबंधी अधिनियम और आचार संहिता का अध्ययन भी इस पत्र में सम्मिलित है।

**इकाई : 1**

पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार। हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

समाचार लेखन कला, सम्पादन के आधारभूत तत्व, सम्पादकीय लेखन कला।

**इकाई : 2**

मीडिया-जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ। विभिन्न माध्यमों का स्वरूप - मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य समाचार माध्यम: रेडियो, फिल्म, टेलीविजन एवं इंटरनेट।

**इकाई : 3**

जनतांत्रिक व्यवस्था में चौथे खम्भे के रूप में पत्रकारिकता का दायित्व

**इकाई : 4**

सम्पादन कला, सम्पादन का उत्तरदायित्व, शीर्षकीकरण, आमुख, पत्रकारिता-प्रबंधन और वितरण

**इकाई : 5**

प्रेस संबंधी प्रमुख कानून, आचार संहिता, प्रसार भारती

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. हिन्दी पत्रकारिता: विकास और विविध आयाम, सं. डॉ. वेदप्रकाश प्रताप सिंह, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादेमी

2. पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

3. पत्रकारिता की चुनौतियाँ, गणेश मंत्री, सत्याहित्या प्रकाशन, नयी दिल्ली

4. जनसंचार और पत्रकारिता, डॉ. देवराज, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली